गेल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम – महारत्न कंपनी)
GAIL (India) Limited
(A Government of India Undertaking - A Maharatna Company)

गेल भवन,
16 भीकाएजी कामा प्लेस
नई दिल्ली-110066, भारत
GAIL BHAWAN,
16 BHIKAIJI CAMA PLACE
NEW DELHI-110066, INDIA
फोन/PHONE : +91 11 26182955
फैक्स/FAX : +91 11 26185941
ई–मेल/E-mail : info@gail.co.in

एनडी/गेल/सेक्ट/2021 20.12.2021

1. लिस्टिंग अनुपालन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा, 5वीं मंजिल, प्लॉट सं. सी/1, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व) मुंबई-400 051 **स्क्रिप कोड: गेल-ईक्यू**	2. लिस्टिंग अनुपालन बीएसई लिमिटेड फ्लोर 1, फिरोज़ जीजीभॉय टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, मुंबई-400001 **स्क्रिप कोड: 532155**

विषय : न्यूज़ पेपर प्रकाशन- शेयरधारकों हेतु सूचना जिनके शेयर निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष प्राधिकरण (लेखांकन, लेखा परीक्षा, अंतरण एवं वापसी) नियम 2016 ("नियम") के अनुरूप निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आई. ई. पी. एफ) में अंतरित किए जा रहे हैं।

प्रिय महोदय/महोदया,

यह सेबी (सूचीकरण बाध्यताएं एवं प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमन, 2015 के विनियम 30 के अनुपालन में है।

इस संदर्भ में, कृपया अनुलग्नक प्राप्त करें।

उपर्युक्त आपकी सूचना एवं रिकॉर्ड हेतु है।

धन्यवाद,
भवदीय,

(ए के झा)
कंपनी सचिव

संलग्नक: उपरोक्तानुसार

सरकार सही वक्त पर इस मुद्दे पर व्यापक राय बनाने की कार्यवाही कर सकती है शुरू

राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने के लिए फिर से प्रयास तेज

हिन्दुस्तान खास

नई दिल्ली | श्याम सुमन

देशभर के उच्च न्यायालयों में खाली पदों की संख्या में कोई कमी नहीं आ रही है। पिछले दस वर्षों से यह आंकड़ा 400 से ऊपर का बना हुआ है, जो खाली पदों का लगभग 43 फीसदी है। ऐसे में न्यायिक नियुक्ति आयोग को फिर से लाने की मांग उठने लगी है। क्योंकि, जजों की नियुक्ति न्यायपालिका पर ही नहीं छोड़ी जा सकती।

न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने की मांग से सरकार भी सहमत है, पर उसकी तरफ से कोई प्रतिबद्धता नहीं दिखाई गई है। सूत्रों के अनुसार, सरकार सही वक्त पर (संभवतः यूपी चुनाव के बाद) इस मुद्दे पर व्यापक राय बनाने की कार्यवाही शुरू कर सकती है। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि उनके पास एनजेसी (राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग) को फिर से लाने के लिए पत्र आ रहे हैं। इनमें उच्च न्यायपालिका के पूर्व जज, बार लीडर, एनजीओ शामिल हैं। सभी एक सुर से न्यायिक आयोग विधेयक फिर से लाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम मांगों के प्रति संवेदनशील हैं, लेकिन कोई वादा नहीं कर रहे हैं।

संसद ने पूर्ण सहमति से बनाया था कानून : 2014 में लाया गया एनजेएसी कानून को सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में निरस्त कर दिया था। इससे विधायिका में चिंता व्यक्त की गई थी, क्योंकि यह संसद के दोनों सदनों में सर्वसम्मति से पारित हुआ था और इसे देश के 50% विधानसभाओं ने अपनी मंजूरी दी थी। कई पार्टियों ने कहा था, सर्वसम्मति से पारित कानून को रद्द करना विधायिका की सार्वभौमिकता में दखल है। इतना ही नहीं कोर्ट ने शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन भी किया है। यदि कानून के किसी भाग से दिक्कत थी तो उसे निरस्त किया जा सकता था, पूरा कानून नहीं। कोर्ट ने कानून का प्रयोग भी न होने दिया। प्रयोग के बाद उसके गुण-दोष देखकर उसे निरस्त किया जा सकता था।

क्यों निरस्त किया : सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संवैधानिक बेंच ने इस कानून को न्यायपालिका की स्वायत्तता में दखल मानते हुए कहा था कि मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में बने आयोग के दो सदस्य (कानून मंत्री और विशिष्ट व्यक्ति) सरकार के होते और वे आयोग की जज नियुक्ति की सिफारिश को वीटो कर सकते थे। दूसरा कारण आयोग के दो सदस्य जो विशिष्ट न्यायविद होते उनकी परिभाषा तय नहीं थी।

वीटो पावर हट सकता है

सूत्रों के अनुसार, नए न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून में सरकार वीटो पावर को समाप्त कर सकती है और इसकी जगह कोई और संतुलन बना सकती है। यह काम आयोग में जजों की संख्या बढ़ाकर हो सकता है, जिससे बहुमत उनका ही रहे।

400 से ज्यादा पद खाली है देशभर के उच्च न्यायालयों में दस वर्षों से

क्या था एनजेएसी एक्ट, 2014

देश के मुख्य न्यायाधीश आयोग के अध्यक्ष होते। सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठतम जज, कानून मंत्री और दो विशिष्ट न्यायविद (जिनका चयन मुख्य न्यायाधीश, कानून मंत्री और विपक्ष के नेता करते)। आयोग का एक स्वतंत्र सचिवालय भी होता।

शिकायत तंत्र भी था

इस कानून में जजों की शिकायत के लिए तंत्र भी था, जिसे आयोग ही देखता और जांच करता और संसद में महाभियोग चलाने जैसे जटिल उपाय को नहीं अपनाना पड़ता।

अभी शिकायत तंत्र नहीं

जजों की शिकायत के लिए फिलहाल कोई तंत्र नहीं है। शिकायत आने पर कोर्ट जजों की एक आंतरिक कमेटी बनाता है, जो गोपनीय जांच करती है, जांच को कभी सार्वजनिक नहीं किया जाता।

मौजूदा व्यवस्था हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों और सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए शीर्ष कोर्ट के पांच जजों की समिति जजों का गोपनीय रूप से चयन करती है। इसे कॉलेजियम कहा जाता है।

राहुल ने फिर बताया हिंदू-हिंदुत्व का फर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि जो लोग हिंदुत्व में यकीन रखते हैं उनका मानना है कि सभी भारतीयों का डीएनए एक समान है लेकिन हिंदू मानते हैं कि हर आदमी का डीएनए अलग और अनन्य होता है।

कांग्रेस नेता की टिप्पणी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सभी भारतीयों का डीएनए 40,000 साल से एकसमान है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक ट्वीट में कहा, 'हिंदू मानते हैं कि हर व्यक्ति का डीएनए अलग और अनन्य होता है।

सिद्धू पर कांग्रेस को बांटने का आरोप

चंडीगढ़। पंजाब सरकार में मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को एक खुदगर्ज राजनीतिज्ञ करार दिया। उन्होंने सिद्धू पर पंजाब में पार्टी को बांटने का आरोप भी लगाया।

राणा ने कहा कि सिद्धू सिर्फ मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस में शामिल हुए थे। उन्होंने पार्टी के सच्चे व पारंपरिक नेताओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए, जिससे मतभेद पैदा हुए। राणा ने कहा, सिद्धू जितनी जल्दी कांग्रेस छोड़ते हैं, पार्टी के लिए उतना ही अच्छा होगा। उन्होंने पार्टी को काफी गहरा नुकसान पहुंचाया है।

शिवाजी की प्रतिमा विरूपित करने में सात गिरफ्तार

कार्रवाई

बेंगलुरु/ हुबली | एजेंसियां

कर्नाटक पुलिस ने रविवार को कहा कि मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को कथित तौर पर विरूपित करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उधर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बेलगावी में स्वतंत्रता सेनानी संगोली रायन्ना और बेंगलुरु में शिवाजी की प्रतिमाओं को निशाना बनाए जाने की घटनाओं के मद्देनजर लोगों से प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों का सम्मान करने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने का आग्रह किया।

बेंगलुरु में शुक्रवार को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और मुख्य आरोपी के अतिरिक्त छह अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया। बेलगावी के विलय के लिए लड़ रहे क्षेत्रीय संगठन 'महाराष्ट्र एकीकरण समिति' की मांग से बदमाश जाहिर तौर पर नाराज थे।

बदमाशों से सख्ती से निपटा जाएगा: बोम्मई

बोम्मई ने यहां कहा, मैं लोगों से देशभक्तों का सम्मान करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने राष्ट्र के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया। सम्मान के तौर पर कित्तूर की रानी चेन्नम्मा, संगोली रायन्ना और शिवाजी महाराज की प्रतिमाएं बनाई गई थीं। हम किसी भी परिस्थिति में शरारती तत्वों को कर्नाटक में कानून-व्यवस्था में खलल नहीं डालने देंगे।

रायन्ना की प्रतिमा तोड़ने में 27 गिरफ्तार

बेलगावी में शनिवार को उपद्रवी तत्वों ने स्वतंत्रता सेनानी संगोली रायन्ना की प्रतिमा क्षतिग्रस्त कर दी। जिला प्रशासन ने 20 दिसंबर की सुबह तक दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। रायन्ना की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में अभी तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बोम्मई के खिलाफ एनसीपी का प्रदर्शन

महाराष्ट्र के ठाणे शहर और अम्बरनाथ कस्बे में एनसीपी कार्यकर्ताओं ने रविवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्तियों का दूध से 'अभिषेक' किया। उन्होंने बेंगलुरु में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा के कथित अपमान का विरोध करने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के खिलाफ भी प्रदर्शन किया।

आईना

बेटियों के हाथ दराती नहीं फोन देंगे: रावत

पिथौरागढ़। विजय सम्मान समारोह के शुभारंभ पर पिथौरागढ़ पहुंचे पूर्व सीएम हरीश रावत ने सरकार की घस्यारी योजना पर सवाल उठाए। उन्होंने घस्यारी योजना पर कटाक्ष करते हुए कहा उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनी तो वे बेटियों के हाथ दराती नहीं एंड्रायड फोन देंगे।

मंत्री गुलाबराव पाटिल ने माफी मांगी

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री गुलाबराव पाटिल के जलगांव जिले की सड़कों की तुलना हेमा मालिनी के गाल से करने की टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया। महिला आयोग के कड़ा रुख अपनाए जाने के बाद मंत्री ने माफी मांगी है।

'चुनावी बॉड संबंधी रिपोर्ट का खुलासा नहीं'

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग ने एसबीआई द्वारा चुनावी बांड की बिक्री और उन्हें भुनाने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र को 2018 में सौंपी गई रिपोर्ट का खुलासा करने का अनुरोध करने वाली अर्जी खारिज कर दी है।

एशिया का सबसे सुंदर शहर होगा चंडीगढ़ : केजरीवाल

पंजाब

चंडीगढ़ | एजेंसियां

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को लोगों से आम आदमी पार्टी (आप) को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर 'आप' नगर निगम चुनाव जीतती है तो वह शहर को फिर से एशिया का सबसे खूबसूरत शहर बना देगी।

केजरीवाल ने 24 दिसंबर को होनेवाले नगर निगम चुनाव से पहले यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं राजनीति नहीं जानता, लेकिन मैं काम करना जानता हूं। आप सभी ने 13 साल भाजपा को और 12 साल कांग्रेस को दिए, हमें भी पांच साल दीजिए।' निगम चुनाव की मतगणना 27 को होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा ने चंडीगढ़ को बर्बाद कर दिया है। चंडीगढ़ नगर निगम का गठन 1996 में हुआ था। इसे 13 साल तक भाजपा और 12 साल तक कांग्रेस ने चलाया। एक समय में चंडीगढ़ एशिया में सबसे खूबसूरत जगह हुआ करता था और स्वच्छता के मामले में शीर्ष पर था। अब 66वें नंबर पर है। उन्होंने कहा, आप सभी इसे बदल सकते हैं।

चंडीगढ़ में रविवार को आयोजित जनसभा में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। • केशव सिंह

30 संभावित प्रत्याशियों के नामों की घोषणा

लखनऊ। आप ने प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने संभावित प्रत्याशियों की तीसरी सूची रविवार को जारी कर दी। तीसरी सूची में 30 संभावित प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है। पार्टी ने इन्हें विधानसभा प्रभारी का नाम दिया है। इस सूची के साथ ही पार्टी के कुल घोषित संभावित प्रत्याशियों की संख्या 200 हो गई है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह ने ट्वीट करके यह जानकारी साझा की है।

वादों को पूरा नहीं कर सकी प्रदेश सरकार : संजय सिंह

उत्तर प्रदेश

नोएडा | कार्यालय संवाददाता

सेक्टर-101 मेट्रो स्टेशन के पास रविवार को सालारपुर गांव में आम आदमी पार्टी की जनसभा में राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने जनता से कई वादे किए थे लेकिन सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उतर पाई है।

आप सांसद ने कहा कि प्रदेश में अपराध चरम सीमा पर पहुंच चुका है। उन्होंने जल जीवन मिशन में टेंडर घोटाला, मंदिर निर्माण में जमीन घोटाला और कोरोना महामारी के दौरान विभिन्न योजनाओं में भ्रष्टाचार का मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में लोगों को मुफ्त बिजली, मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, मुफ्त पानी, बेहतर और उन्नत शिक्षा मिल रही है। आप के संकल्पों के बारे में भी चर्चा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में आप की सरकार बनते ही आम लोगों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 10 लाख युवाओं को हर साल रोजगार और पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा।

गेल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उपक्रम)
आज़ादी का अमृत महोत्सव

शेयरधारकों को सूचना

गेल (इंडिया) लिमिटेड ("कंपनी") के शेयरधारकों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि जिन शेयरधारकों के शेयर निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष प्राधिकरण (लेखांकन, लेखा परीक्षा, अंतरण एवं वापसी) नियम 2016 ("नियम") के खंड 124 (6) ("प्रावधान") और नियम 6(3) (क) के अनुसरण में निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आई.ई.पी.एफ) में अंतरण हेतु देय है।

प्रावधानों के अनुसार, ऐसे सभी शेयर जिनके संबंध में लगातार सात वर्षों या अधिक अवधि हेतु लाभांश का भुगतान अथवा दावा नहीं किया गया है, उन्हें आई.ई.पी.एफ. में अंतरित कर दिया जाएगा।

इस संबंध में कंपनी ने लगातार पिछले सात वर्ष तक लाभांश का भुगतान न होने या दावा न करने वाले शेयरधारकों के संबंध में डिपोजिटरी/आर.एंड.टी.ए. के पास उपलब्ध नवीनतम पते पर आईईपीएफ में अंतरण हेतु शेयरों के पूर्ण विवरण सहित शेयरधारकों को विशेष रूप से सूचित किया गया है। संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :

लाभांश (वर्ष)	घोषणा की तारीख	लाभांश के दावा हेतु अंतिम तारीख	आईईपीएफ खाते में शेयरों का अंतरण
अंतरिम (2014-15)	26 फरवरी, 2015	25 मार्च, 2022	25 अप्रैल, 2022 से पहले
अंतिम (2014-15)	16 सितंबर, 2015	15 अक्टूबर, 2022	15 नवंबर, 2022 से पहले

ऐसे शेयरधारकों का विवरण जानने के लिए कृपया वेबसाइट https://gailonline.com/IZ-InvestorInformation.html देखें।

ऐसे शेयरधारक जिन्होंने लगातार पिछले सात वर्षों तक अपने लाभांश का दावा नहीं किया है, वे अन्य जानकारी और कंपनी के पास पड़े हुए गैर दावागत लाभांश के वैध दावे प्रस्तुत करने के लिए कंपनी के पंजीकृत कार्यालय (या ई-मेल shareholders@gail.co.in) या हमारे रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट (पुनः एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेंट लिमिटेड, यूनिट: गेल (इंडिया) लिमिटेड, प्रथम तल, एफ-65, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-I, नई दिल्ली-110020}) या ई-मेल: (admin@mcsregistrars.com) को दिनांक 25 मार्च, 2022 (अंतरिम लाभांश 2014-15 हेतु) तक या उससे पहले तथा दिनांक 15 अक्टूबर, 2022 (अंतिम लाभांश 2014-15 हेतु) तक या पहले पत्राचार कर सकते हैं। ऐसा न करने पर शेयर को आई.ई.पी.एफ. में अंतरित कर दिया जाएगा।

उपर्युक्त तारीख के पश्चात, संबंधित शेयरधारक प्रक्रियानुसार तथा आई.ई.पी.एफ. नियम, 2016 में यथा निर्धारित दस्तावेजों सहित आई.ई.पी.एफ. से लाभांश(शों) के साथ उक्त शेयरों का दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। शेयरधारक कृपया वेबसाइट www.iepf.gov.in पर उपलब्ध सूचना का संदर्भ भी ले सकते हैं।

कृते गेल (इंडिया) लिमिटेड
हस्ताक्षर/-
(ए.के. झा)
कंपनी सचिव

स्थानः नई दिल्ली
तारीख: 20.12.2021

पंजीकृत कार्यालय: 16, भीकाजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066
फोन: 011-26182955, फैक्स: 011-26185941
{सीआईएन: L40200DL1984GOI018976}
ई-मेल: shareholders@gail.co.in वेबसाइट: www.gailonline.com

#EnergizingPossibilities Follow us on

'महिलाओं का जागरूक होना जरूरी' वादों को जनता तक नहीं पहुंचा पा रही कांग्रेस

शक्ति संवाद

रायबरेली | वरिष्ठा संवाददाता

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने रविवार को यहां कहा कि पार्टी ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए अलग से घोषणा पत्र बनवाया। फिर दूसरे दल भी महिलाओं को लुभाने में लग गए। अगर एक छोटी सी कोशिश इतना परिवर्तन ला सकती है तो पूरी तरह महिलाओं के जागरूक हो जाने पर राजनीति की दिशा ही बदल जाएगी।

शहर के रिफार्म क्लब के मैदान में आयोजित महिलाओं-लड़कियों के शक्ति संवाद में शिकरत करने यहां आईं प्रियंका गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि हमने सुना है कांग्रेस के नारे 'मैं लड़की हूं, लड़ सकती हूं' से घबराकर ही प्रधानमंत्री जी प्रयागराज में महिलाओं का सम्मेलन करने वाले हैं। आशा कार्यकत्रियों-महिला कर्मचारियों को बुलाया है। सभी पीली साड़ियां पहने हुए होंगी। अच्छा है। सुना है, आज ही आशा कार्यक्त्रियों का मानदेय बढ़ा दिया गया है।

लड़कियों के लिए हर जिले में पाठशालाएं : करीब आधे घंटे के संबोधन में कांग्रेस महासचिव ने कहा कि लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए हर जिले में कक्षा नौ से 12 तक की छात्राओं के लिए पाठशालाएं चलाएंगे। जिससे लड़कियों को रोजगार मिल सके। वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। कांग्रेस सरकार बनते ही 40 प्रतिशत नौकरियां महिलाओं को ही दी जाएंगी। कांग्रेस की सरकार बनने पर आशा बहनों को दस हजार मानदेय मिलेगा। बोनस अलग ही रहेगा। इस दौरान प्रियंका ने उन्नाव, हाथरस और ललितपुर में किसान की आत्महत्या का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेरने की भी कोशिश की।

विश्लेषण

नई दिल्ली | सुहेल हामिद

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को जीत दिलाने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा भले ही मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं, पर जमीनी स्तर पर संगठन कमजोर होने से पार्टी अपने वादों को जनता तक नहीं पहुंचा पा रही है। वहीं, 'महिला हूं, लड़ सकती हूं' के नारे के जरिये महिलाओं में कांग्रेस के प्रति विश्वास जगाने के लिए पार्टी को अभी लंबा सफर तय करना पड़ेगा।

रणनीतिकार मानते हैं कि पार्टी महिलाओं को टिकटों में हिस्सेदारी और उनके कल्याण से जुड़े वादों को मतदाताओं खासकर महिलाओं तक नहीं पहुंचा पाई है। यूपी में कांग्रेस महिलाओं को केंद्र में रखकर विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

पूर्व सांसद हरिकेश बहादुर कहते हैं कि जमीनी स्तर खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस का संगठन लगभग खत्म है। गांव देहात में जो पुराने कांग्रेसी थे, उनकी उम्र बहुत ज्यादा हो गई या वह जीवित नहीं रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में पार्टी संगठन सिर्फ समितियों तक सीमित है। हम नए लोगों को साथ जोड़ने में नाकाम रहे हैं। ऐसे में चुनाव में हमारे लिए पिछला प्रदर्शन दोहराना भी एक चुनौती है।

कांग्रेस नेता मानते हैं कि चुनाव में पार्टी के टिकट पर वही उम्मीदवार जीत सकता है, जिसका अपना कोई निजी जनाधार है। वह जनाधार जाति के आधार पर हो या किसी अन्य वजह से। कोई प्रत्याशी सिर्फ कांग्रेस के नाम पर चुनाव नहीं जीत सकता है। क्योंकि, पार्टी के पास कोई जनाधार नहीं है। पिछले चुनावों में कई विधानसभा सीट पर पार्टी उम्मीदवार को दो-ढाई हजार तक ही वोट मिले थे।

कवायद

- प्रियंका गांधी की मेहनत के बाद भी संगठन की कमजोरी बड़ी वजह
- निजी जनाधार वाले नेता ही पहुंच सकेंगे जीत की दहलीज तक

न्यायिक अवसंरचना निगम पर केंद्र का जवाब नहीं आया : रमना

वारंगल। देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने रविवार को यहां कहा कि न्यायिक अवसंरचना निगम गठित करने और कोरोना से जीविकोपार्जन खो चुके वकीलों को आर्थिक मदद देने के प्रस्ताव पर अबतक केंद्र से जवाब नहीं आया है।

वारंगल में अदालत परिसर का उद्घाटन करने के बाद न्यायमूर्ति ने कहा कि न्यायिक अवसंरचना निगम और ग्रामीण इलाकों में मोबाइल इंटरनेट की सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव जुलाई और जून में भेजा गया था, यद्यपि इनपर कार्रवाई नहीं हुई है। न्यायमूर्ति रमना ने कहा कि लेकिन उम्मीद है कि केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में ही न्यायिक अवसंरचना निगम के गठन के लिए विधेयक लाएगी। न्यायमूर्ति रमना ने असंतुष्टि का भाव प्रकट करते हुए कहा कि मैंने केंद्र से कहा कि उन वकीलों के परिवारों की आर्थिक मदद करें जिन्होंने कोविड-19 की वजह से अपना जीविकोपार्जन खो दिया है। सरकार की ओर से अबतक उचित जवाब नहीं आया है।

विधि छात्रों के लिए अधिक व्यावहारिक पाठ्यक्रम हो: देश के मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना ने रविवार को कहा कि देश में विधि स्नातक कानूनी समस्याओं पर केवल सैद्धांतिक तरीके से विचार करने के अभ्यस्त हैं। न्यायमूर्ति रमना ने ऐसे पाठ्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो अधिक व्यावहारिक हों। (एजेंसियां)

घाटी में बिजली आपूर्ति सुचारू करने के लिए सेना पहुंची

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में शनिवार से शुरू बिजलीकर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन रविवार को भी जारी रही। पूरे प्रदेश में बिजली गुल होने के बाद अब सेना ने आपूर्ति सुचारू करने के लिए कमान संभाल ली है। कई ग्रिड पर सेना के जवान तैनात कर दिए गए हैं। बिजली विभाग के निजीकरण के विरोध में कर्मचारी हड़ताल पर हैं। बिजली नहीं होने के कारण लोगों को ठंड से ठिठुरना पड़ रहा है। आधे से ज्यादा शहर में अंधेरा छाया है। रविवार शाम को प्रशासन के अनुरोध के बाद कई इलाकों के ग्रिड को सेना ने अपने कब्जे में ले लिया है। पूरे संभाग में बिजली आपूर्ति सुचारू करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, कार्यालयों के बाहर जम्मू और कश्मीर के लोगों ने भी रविवार को प्रदर्शन किया।

एंटासिड* नहीं, अपनाइये आयुर्वेद की शक्ति

एंटासिड* सेवन बन सकता है किसी बड़े खतरे का कारण

झंडु पंचारिष्ट बनाये पाचन जड़ से मज़बूत, बिना किसी साइड इफ़ेक्ट् के

पेट की तकलीफों से लम्बी राहत
35 आयुर्वेदिक तत्त्व
सातों पाचन केंद्रों पर असर करे

दो बड़े चम्मच (30 ml) दिन में दो बार । 30 दिन

झंडु पंचारिष्ट पर अधिक जानकारी के लिए स्कैन कीजिये

एंटासिड के नियमित सेवन से मिलती है अस्थायी राहत, साथ ही लम्बे समय तक लिए जाने पर एंटासिड बन सकता है किसी बड़े खतरे का कारण, जैसे किडनी में अलसर या स्टोन। झंडु पंचारिष्ट के वैज्ञानिक अनुसंधान और क्लिनिकली प्रमाणित फार्मूला में है 35 आयुर्वेदिक तत्व जो सिर्फ आपके पेट ही नहीं 7 पाचन केंद्रों पर असर करके पाचन को बनाये जड़ से मज़बूत और पेट की तकलीफों से दे लम्बी राहत, बिना किसी साइड इफ़ेक्ट के।

झंडु पंचारिष्ट

डॉक्टर से नि:शुल्क सलाह के लिए 1800 572 8000 (टोल फ्री) 9am - 6pm (Mon - Sat) | www.zanducare.com पर भी उपलब्ध

* Refers to proton pump inhibitors